



PEAS- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Pea seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Pea seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Pea seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions. making any decisions.

Pea Hybrid	Krish						
Duration	65- 90 DAS						
Kharif	Late Kharief						
Rabi	Yes						
Spring Source of Irrigation	Ground						
Source of Irrigation		onditions crop growth & maturity may be different					
S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre					
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	Peas are a winter (rabi) crop, and a cooler climate is optimal for their growth.					
2	Land/ Soil	Well-drained loamy soil with a pH between 6.0 and 7.5 is suitable for Pea cultivation.					
3	Season. Sowing/planting time	Oct-Nov are the most suitable months, with Rabi being the primary season.					
4	Seed rate/ acre	25-35kg/ Acre					
5	Sowing/planting method.	Sowing in lines with a seed drill is recommended					
6	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tones of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. Using a seed drill, line sowing is done, and the recommended sowing depth is about 5-6 cm					
7	Spacing	Line sowing with a spacing of 45 cm between rows and 10-12 cm between plants. For improved variety with broader plant architecture 60cm x 30cm is recommended					
8	Seed treatment before sowing	Seed is treated with Captan 2 g/kg					
9	Manures and Fertilizers/ acre	Apply FYM at 8 t/acre and 25 kg N, 35 kg P and 30 kg K/ha as basal and 25 kg N/ha on 30 days after sowing.					
10	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 6-7-6 days interval.					
11	Weeding/ inter cultivation	Two hand weeding/ intercultivation practice is needed. Keep plots free of weed.					
12	Micronutrient/growth regulator sprays						
13	Pest and Disease control	Downey Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter)or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Fruit Borer: Emamectin Benzoate 5% SG (0.5 gm/litre)					
		For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.					
14	Harvest and Storage	Harvest can be done from 65 DAS. High temperature during harvest may reduce the quality					
15	Expected yield	3.5-5 Tonnes/ Acre					
18	Don't Do						
19	Do's						
Note	The above information is a general advisory. For specific recor	mmendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.					
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. The quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for t	refore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high- the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.					





मटर की खेती के तरीके
वधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के मटर की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च बजें के मटर के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइबिड फललें विस्तित की जा सके। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के मटर के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पीध और की और परिणाम आप करते हैंत केती के अलगतिक तरीकों को अध्यक्तमां। अभे कर स्वापन के किसानों को अध्वक्तमां। अभे कर स्वापन के स्वापन के स्वापन के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पीध के स्वापन के स्वपन के स्वापन के स्वपन के स्वापन के

हाइब्रिड मटर								
धि	65- 90 DAS							
ोफ	विलंबित खरीफ							
<u> </u>	हाँ							
त 								
चाई का स्रोत	जमीन							
क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्त होने का समय अलग-अलग हो सकता है  कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत						
<del>भ्रम्प सः.</del> 1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	मटर शीतकालीन (रवी) की फसल है और ठंडा वातावरण इसके अच्छे विकास में सहायक होता है।						
•	414 10 3 13 (1417 ) 14 44 413 414	नकर नाता मानान (चना) माना तथा रुवार करने ने ता चनका चन तक्षाचार होता हो।						
2	भूमि/ मिट्टी	मटर की खेती के लिए 6.0 से 7.5 pH वाली, अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे अनुकूल मानी जाती है।						
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	मटर की बुवाई के लिए अक्टूबर और नवंबर सर्वाधिक अनुकूल महीने हैं, और इसका मुख्य मौसम रवी है।						
4	प्रति एकड़ बीज की मात्रा	25-35किग्रा/ एकड						
5	बुवाई/रोपाई का तरीका।	खोदकर बीजों की पंक्तिबद्ध रूप से बुवाई करना उचित रहता है।						
υ	भुनाश/रापाइ का तराका।	जारकर नामा का नारावक्ष रूप रा बुपाइ करणा जायर रहरा। हा						
6	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोवर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें, ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। जमीन को खोदकर बीज की पंक्तिबद्ध बुवाई की जाती है, जिसमें बीजों को लगभग 5–6 सेमी गहराई पर बोने की सलाह दी जाती है।						
7	पौधों के बीच दूरी	पंक्तिबद्ध बुवाई में पंक्ति की दूरी 45 सेमी तथा पौधे से पौघे की दूरी 10–12 सेमी रखनी चाहिए। विस्तृत पौध संरचना वाली उन्नत किस्मों के लिए 60 सेमी × 30 सेमी का अंतर रखना उचित है।						
8	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज पर कैप्टन 2 ग्राम प्रति किग्रा का छिड़काव करें						
9	जैविक और रासायनिक उर्वरक / एकड़	8 टन गोबर की खाद/एकड़ और 25 कि.ग्रा. N, 35 कि.ग्रा. P व 30 कि.ग्रा. K/हेक्टेयर आधार खाद के रूप में दें, तथा बुवाई के 30 दिन बाद 25 कि.ग्रा. N/हेक्टेयर की अतिरिक्त खुराक दें।						
10	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की स्थिति के हिसाब से सिंचाई करें। 6–7 दिन की अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई होनी चाहिए।						
11	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालने या पंक्ति के बीच में जुताई करनी चाहिए। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें।						
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव							
13	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	डाउनी मिल्ड्यू: टेवुकोनाओल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) पाउडरी मिल्ड्यू: टेवुकोनाओल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोबालोनिल 75% WP 1.0 मि.ली./लीटर फ्रूट बोरर: एमामेक्टिन वेंजोएट 5% SG (0.5 ग्राम/लीटर) खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।						
4.1	and the size	and best for both manners fill and home and bothers after the second of						
14	फसल संग्रह और भंडारण	बुवाई के 65 दिन के बाद फसल की कटाई की जाती है। फसल कटाई के दौरान अधिक गर्मी फसल की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।						
15	अनुमानित उपज	3.5-5 टन/ एकड़						
18	क्यान करें							
19	क्या करें							
		। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।						
वधानियौँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने प	म्भाव पड सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्थ करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, ास रखें।						





## वाटाणा- पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही किस्टल कुटुंबातील वाटाणाच्या सर्वोत्तम वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. किस्टलला उच्च दर्जाचे वाटाणाचे वियाणे तयार करण्याच्या उद्यादन वाला अनुभव आहे. विविध कृपी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकत्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या वाटाणाच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाडतात. उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

वाटाणा हायब्रीड	क्रिय								
कालावधी खरीप	65- 90 दिवसांनी उशिराचा खरीप	<b>       </b>							
ख्या रब्बी	होय								
वसंत ऋत्									
सिंचनाचा स्रोत	जमीन								
		पया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्कता वेगवेगळी असू शकते.							
अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन							
1	क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	बाटाणे हे हिवाळी (रब्बी) पीक आहे आणि त्यांच्या वाढीसाठी थंड हवामान इष्टतम असते.							
2	जमीन/ माती	वाटाणे लागवडीसाठी 6.0 ते 7.5 दरम्यान pH असलेली चांगला निचरा होणारी चिकणमाती माती योग्य असते.							
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	ऑक्टोबर-नोव्हेंबर हे सर्वात योग्य महिने आहेत, रब्बी हा प्राथमिक हंगाम आहे.							
4	बियाण्याचा दर/एकर	25-35 किलो/एकर							
5	पेरणी/लागवडीची पद्धत	वियाणे तिफण करून एका ओळीत पेरणी करण्याची शिफारस केली जाते							
6	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. वियाणे तिफण वापरून, एका ओळीत पेरणी केली जाते आणि शिफारस केलेली पेरणी खोली सुमारे 5-6 सेमी आहे.							
7	अंतर	ओळींमध्ये 45से मी आणि रोपांमध्ये 10-12 सेमी अंतर ठेवून ओळीत पेरणी करा. विस्तृत वनस्पती रचना असलेल्या सुधारित जातीसाठी 60 x 30 सेमी अंतराची शिफारस केली जाते.							
8	पेरणीपूर्वी वियाणांवर प्रक्रिया	वियाण्यांवर कॅप्टन 2 ग्रॅम/किलो या प्रमाणात प्रक्रिया केली जाते.							
9	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते/ एकर	पेरणीनंतर 30 दिवसांनी शेणखत 8 टन/एकर आणि 25 किलो नत्र, 35 किलो स्फुरद आणि 30 किलो पालाश/हेक्टर बेसल म्हणून आणि 25 किलो नत्र/हेक्टर म्हणून द्यावे.							
10	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 6-7-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडेथोडे आणि वारंवार पाणी द्यावे.							
11	खुरपणी/ आंतरमशागत	दोन हाताने खुरपणी/ आंतरमशागतीची पद्धत आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा.							
12	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या								
13	कीटक आणि रोग नियंत्रण	केवडा बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथॅलोनिल 75% WP 1.0 मिली/लिटर फळ पोखरणारी अळी: एमामेक्टिन बेंझोएट 5% SG (0.5 ग्रॅम/लिटर) <u>शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा मल्ला घ्या.</u>							
14	कापणी आणि साठवणूक	कापणी 65 दिवसांपासून करता येते. कापणीदरम्यान उच्च तापमानामुळे गुणवत्ता कमी होऊ शकते							
15	अपेक्षित उत्पन्न	3.5-5 टन/एकर							
18	करू नका								
19	करा								
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेः	गाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.							
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना विल वाळगा.								





# ಬಟಾಣಿ – ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದಿಂದ ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾದ ಬಟಾಣಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆಯ್ಕ ಮಾಡಿದ್ದೀರಿ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬಟಾಣಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳ ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನ ಬಟಾಣಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆ ಶಕ್ತಿ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ.

ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ದಯವಿಮ್ಟ ಕೀಳ	/ರುತಿಳುವಿತ್ತೀವ .												
ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬಟಾಣಿ	ಕ್ರಿಶ್												
ಅವಧಿ	65- 90	<del> </del>		<b></b>	<u> </u>		<u> </u>		<b></b>				
	ದಿನಗಳು			<b></b>		<b> </b>			<b> </b>				
ಮುಂಗಾರು	ತಡ ಖರೀಫ್												
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	<del> </del>		<b> </b>	1	<b> </b>				<b></b>			
ವಸಂತ													
ನೀರಾವರಿ	ನೆಲ												
ಪದ್ಧತಿ			ದಯನಿಟ್ಟು ರಮ	ತ್ತಿ: ಹನಾವಾನ ಪರಿಸಿ	ತಿಗಳ ಪತಾಗ ಬೆಲೆಯ	್ರಿಕೆ ಕ್ಷಾಣ್ಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ಷ	ತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದ	<u> </u>					
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರ	ಣೆಗಳು /ಪದ್ಧ		ವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ			o aprogramme	<del></del>					
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-	-ಹವಾಮಾನ ತ	ವಲಯ ಬಟಾಣಿ ಚಳಿಗಾಲದ (	ಬಟಾಣಿ ಚಳಿಗಾಲದ (ರಾಬಿ) ಬೆಳೆಯಾಗಿದ್ದು, ತಂಪಾದ ವಾತಾವರಣವು ಅವುಗಳ ಬೆಳವಣಿಗೆಗೆ ಅನುಕೂಲಕರವಾಗಿದೆ.									
2	ಭೂಮಿ/ ಮಣ್ಣು		ಬಟಾಣಿ ಕೃಷಿಗೆ 6.0 ಚ	ುಂದ 7.5 ರ ಪಿಎಚ್ (p	H) ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿರುವ	ಉತ್ತಮ ನೀರು ಬಸಿದು	ಹೋಗುವಂತಹ ಎರೆ ಜೆ	ೀಡಿ ಮಣ್ಣು ಸೂಕ್ತವಾಗಿ	ದೆ.				
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮ	ಯ	ಅಕ್ಟೋಬರ್-ನವೆಂಬ	್ ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ತವಾದ	ತಿಂಗಳುಗಳಾಗಿದ್ದು, ರಾ	ಬಿ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಋತುವಾ	ಗಿದೆ.						
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ/ ಎಕರೆಗ	ាំ	25-35 ಕೆ.ಜಿ/ ಎಕರೆ										
5	ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.		ಬೀಜ ಬಿತ್ತನೆ ಯಂತ್ರದಿ	ಂದ ಸಾಲುಗಳಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತ	ನೆ ಮಾಡುವುದು ಶಿಫಾರ	ಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ							
6	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯ ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಯಾರು ಮಾಡು		10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಅನ್ನಯಿಸಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಹ್ಯಾರೋಯಿಂಗ್ ಮಾಡಿ . ಬೀಜ ಬಿತ್ತನೆ ಯಂತ್ರವನ್ನು ಬಳಸಿ ಸಾಲು ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ , ಮತ್ತು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾದ ಬಿತ್ತನೆ ಆಳವು ಸುಮಾರು 5-6 ಸೆಂ.ಮೀ ಆಗಿದೆ									
7	ಅಂತರ			ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ 45 ಸೆಂ,ಮೀ ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 10-12 ಸೆಂ,ಮೀ ಅಂತರದೊಂದಿಗೆ ಸಾಲು ಬಿತ್ತನೆ, ವಿಸ್ತಾರವಾದ ಸಸಿ ರಚನೆಯೊಂದಿಗೆ ಸುಧಾರಿತ ತಳಿಗೆ 60 ಸೆಂ,ಮೀ x 30 ಸೆಂ,ಮೀ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ									
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ	: ಸಂಸ್ಕರಣ <u>ೆ</u>	ಬೀಜವನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ	ಬೀಜವನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 2 g/kg ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ									
9	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು/ ಎಕರೆ		50	FYM 8 ಟನ್/ಎಕರೆ ಮತ್ತು 25 ಕೆಜಿ ಸಾರಜನಕ, 35 ಕೆಜಿ ರಂಜಕ ಮತ್ತು 30 ಕೆಜಿ ಪೊಟ್ಯಾಶ್/ಹೆಕ್ಟೇರ್ ಅನ್ನು ತಳದ ಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ ಮತ್ತು ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ 25 ಕೆಜಿ ಸಾರಜನಕ/ಹೆಕ್ಟೇರ್ ಅನ್ನು ಹಾಕಬೇಕು.									
10	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ		ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು	, ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ	ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. 6-7	ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಒ	ಮ್ಮೆ ಲಘು ಮತ್ತು ಆಗಾ	ಗ ನೀರಾವರಿ.					
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ	ರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈ ಕಳೆ :	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ / ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ.									
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು, ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು												
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯ	ಂತ್ರಣ	ಬೂದಿ ರೋಗ: ಟೆಬುಕ ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್ ಹಣ್ಣು ಕೊರೆಯುವ ಾ	ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂದ್ರ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% ಡಬ್ಲ್ಯೂಜಿ (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಬೂದಿ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% ಡಬ್ಲ್ಲೂಜಿ (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೊಥಲೊನಿಲ್ 75% ಡಬ್ಲ್ಯೂಪಿ 1.0 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್ ಹಣ್ಣು ಕೊರೆಯುವ ಹುಳು: ಎಮಮೆಕ್ಟಿನ್ ಬೆಂಜೊಯೇಟ್ 5% SG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.									
14	ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಸಂಗ್ರಹ	ಕಣೆ	65 ದಿನಗಳು ನಿಂದ ಕೆು ಇಳುವರಿ	65 ದಿನಗಳು ನಿಂದ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಬಹುದು. ಕೊಯ್ಲಿನ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ತಾಪಮಾನವು ಗುಣಮಟ್ಟವನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಬಹುದು ಇಳುವರಿ									
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ		3.5-5 ಟನ್/ಎಕರೆ	3.5-5 ಟನ್/ಎಕರೆ									
18	ಮಾಡಬೇಡಿ												
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು												
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾ	ಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆ	ಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ	ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿ	ಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ , ದಯ	ುವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ	ರ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯ	ಮನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ					
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ದೆ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು . ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ . ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.												





బరానీలో-పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన బరానీ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన బరానీ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక మక్సాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ బఠానీ విత్తనాలు బయోటిక్ ఓ ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్యాలను & మెరుగైన బలమును కళ్ళికి సంక్షాలు

అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ బఠానీ	క్రిప్								
కాలము పరిమితి	65- 90 DAS								
ఖරි්ఫ్	ఖరీఫ్ లో అలస్యముగా								
රව්	అవును								
వసంత కాలము									
నీటి పారుదల వనర									
		పల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు							
<u>క్ర.</u> సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్							
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	బరానీలు శీతా కాలము (రబీ) పంట, మరియు వాటి ఎదుగుదలకి చల్లని వాతావరణము అవసరము.							
2	భూమి/మట్టీ	బాగా-నీరు ఇంకే లోమీ మట్టి నేలలు 6.0 మరియు 7.5 మధ్య pH బఠానీ కల్టివేషనుకి అనుకూలము.							
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	రేబీ ప్రధానమైన సీజనుగా అక్టోబర్-నవంబర్ నెలలు అత్యంత అనుకూలము.							
4	ఎకరానికి/విత్తనము రేట్	25-35 కిలోలు/ఎకరానికి							
5	విత్తే/నాటే పద్ధతి.	సీడ్ డ్రిల్ ఉపయోగించి విత్తనాలను లైనులలో నాటాలని సూచించడము జరిగినది							
6	ప్రధానమైన పొలమునీ తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎప్పైఎం 10 టన్నులు అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వలన అది మట్టిలో బాగా కలుస్తుంది. సీడ్ డ్రిల్ ఉపయోగించి, లైనులలో విత్తనాలు నాటండి, మరియు నాటే లోటు 5-6 cm వరకూ వుండాలని సూచించడము జరిగినది							
7	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో ల మధ్య ఖాళీ 45 cm మరియు మొక్కల మధ్య దూరము 10-12 cm వృండాలి లైనులలో నాటాలి. పెద్ద మొక్క ఆర్కి టెక్చర్ కలిగిన మెరుగైన వంగడాలకు 60cm x 30cm సూచించడము జరిగినది							
8	విత్తే ముందు విత్తనముని శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను 2 (గాములు/కిలో కాఫ్తాన్ తో శుద్ధి చేయాలి							
9	ఎకరానికి/ఎరువులు మరియు ఫర్జిలైజర్లు	నాటిన తరవాత బెసల్ గా ఎఫ్వైఎం 8 టన్నులు/ హెక్టారుకి మరియు 25 కిలోల N, 35 కిలోల P and 30 కిలోల K/హెక్టారుకి మరియు 30 రోజులకి 25 కిలోలు N/హెక్టారుకి వేయాలి.							
10	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మెట్టి రకముని బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 6-7-6 రోజుల వ్యవధిలో తెలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి.							
11	కొలుపు మోక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	రెండు చేతులతో కలుపు మొక్కలను తొలగించండి/అంతర్గత కల్లివేషన్ అవసరము. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి.							
12	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ (స్పేలు								
13	చీడ మరియు తెగులు కం[టోల్	డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకొనజోల్ 50% + (టిఫ్లోక్స్ స్టోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 to 1 గ్రాములు) బూడిద తెగులు: టెబుకొనజోల్ 50% + (టిఫ్లోక్స్ స్టోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 to 1 గ్రాములు) లేదా క్లో రోథాలో నిల్ 75% WP 1.0 ml/ లీటరు పండు తొలుచు పురుగు: ఎమామెక్టీన్ బెళ్లో యేట్ 5% SG (0.5 gm/ లీటరు) పొలములో తెగులు & చీడల కం!టోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ ఫానిక వ్యవసాయ ఆపీసరను సం!పదించండి.							
14	కోత మరియు స్టోరేజ్	65 DAS నుంచి కోత కోయవచ్చు. కోత సమయములో అధిక ఉష్ణోగ్రతలు నాణ్యతను తగ్గించవచ్చు దిగుబడి							
15	ಆಳಿಂದೆ ದಿಗುಬಡಿ	3.5-5 టన్నులు/ఎకరానీకి							
18	చేయకూడనివి								
19	చేయవలసినవి								
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.								
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన (ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కోరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్డిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్డిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ధ వుంచుకోండి.								





# মটর- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট মটরের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের মটর বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধানক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের মটর বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকৃলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে। অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোগুম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত

নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

20 2									
হাইব্রিড মটর	কৃষ								
সময়সীমা	65- 90 DAS								
খরিফ	দেরিতে খরিফ								
রবি	হ্যাঁ								
বসন্ত									
সেচের উৎস	মাঠ								
	অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে	আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে							
ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ							
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জো	ন মটর একটি শীতকালীন (রবি) ফসল এবং তাদের বিকাশের জন্য ঠান্ডা জলবায়ু সবচেয়ে উপযুক্ত।							
2	জমি/ মাটি	মটর চাষের জন্য ভালো নিষ্কাশনযুক্ত দোআঁশ মাটি যার pH 6.0 এবং 7.5 এর মধ্যে উপযুক্ত।							
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	অক্টোবর-নভেম্বর সবচেয়ে উপযুক্ত মাস, রবি মরশুমে মূল ফসল।							
4	বীজের হার/ একর	25-35কেজি/একর							
5	বপন/রোপণের পদ্ধতি।	সীড ড্রিল ব্যবহার করে লাইন অনুযায়ী বপন করার পরামর্শ দেওয়া হয়							
6	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মার্টিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন। সীড ড্রিল ব্যবহার করে, লাইন অনুযায়ী বপন করা হয়, এবং পরামর্শকৃত বপনের গভীরতা প্রায় 5-6 সেন্টিমিটার							
7	ফাঁক	লাইন বপন করা হয় যেখানে সারির মধ্যে দূরত্ব 45 সেন্টিমিটার এবং গাছের মধ্যে 10-12 সেন্টিমিটার রাখা হয়। বিস্তৃত গাছের আকারযুক্ত উন্নত জাতের জন্য 60সেন্টিমিটার x 30সেন্টিমিটার ব্যবধানের পরামর্শ দেওয়া হয়							
8	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজ কাপটান 2 গ্রাম/কেজি সহ প্রক্রিয়াজাত করা হয়							
9	জৈব এবং রাসায়নিক সার/ একর	8 t/একর FYM এবং 25 কেজি N, 35 কেজি P, 30 কেজি K/হেক্টর মাটি প্রস্তুতির সময় ব্যবহার করুন, এবং বপনের 30 দিন পরে 25 কেজি N/হেক্টর প্রয়োগ করুন।							
10	সেচের সময়সূচী	মার্টির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। হালকা এবং নিয়মিত সেচ দিনে 6-7-6 দিনের অন্তর একবার করুন।							
11	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুইবার হাতে আগাছা নিবারণ/মধ্যচাষের চর্চা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন।							
12	ক্ষুদ্রপুর্ন্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান								
13	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ফল বোরর: ইমামেকটিন বেনজোয়াট 5% SG (0.5 গ্রাম/লিটার) ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরপ্ত তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।							
14	ফসল কাটা এবং সংরক্ষণ	65 DAS থেকে ফসল কাটা যায়। ফসল কাটার সময় উচ্চ তাপমাত্রা কমিয়ে দিতে পারে							
15	প্রত্যাশিত ফলন	3.5-5 টন/একর							
18	<u>করবেন না</u>								
19	করবেন								
দ্রম্ভব্য		নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।							
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।								





# মটৰ- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠতম মটৰ বীজ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ মটৰ বীজ উংপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ যথেষ্ট অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিসৃত্ত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উংপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উংপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ মটৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপ সহনশীলতাৰে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

াসদ্ধান্ত লোৱাৰ আগ	ণতে এই পৰামশসমূহ পঢ়ক।								
হাইব্ৰিড মটৰ	ক্রিশ								
সময়কাল	65- 90 DAS								
খাৰিফ	প্ৰয়াত খাৰিফ								
ৰাবি	হয়								
বসন্ত									
জলসিঞ্চনৰ উৎস	ভূমি								
		ৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।							
ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য্য/অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট							
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	মটৰ শীতকালীন (ৰাবি) শস্য আৰু ইয়াৰ বিকাশৰ বাবে শীতল জলবায়ু সৰ্বোন্তম।							
2	ভূমি/ মাটি	ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা , 6.0 আৰু 7.5ৰ ভিতৰত pH থকা মাৰ্টি মটৰ খেতিৰ বাবে উপযুক্ত।							
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ মাহৰ ভিতৰত এই ঋতুটো বেছি উপযুক্ত।							
4	বীজৰ হাৰ/ একৰ	25-35কেজি/ একৰ							
5	বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	বীজ সিঁচাৰ যন্ত্ৰৰ সৈতে শাৰীৰে সিঁচাৰ পৰামৰ্শ দিয়া হৈছে							
6	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিদ্নিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। এটা বীজ ড্ৰীল ব্যৱহাৰ কৰি, লাইন বীজ সিঁচা কৰা হয়, আৰু পৰামৰ্শ দিয়া বীজ সিঁচাৰ গভীৰতা প্ৰায় 5-6 ছেঃমিঃ							
7	ব্যৱধান	শাৰীসমূহৰ মাজত ছেঃমিঃ আৰু উদ্ভিদৰ মাজত 10-12 ছেঃমিঃ ব্যৱধানত শাৰী বনাওক। উন্নত জাতৰ বাবে আৰু বিস্তৃত উদ্ভিদ স্থাপত্যৰ বাবে 60cm x 30ছেঃমিঃ পৰামৰ্শ দিয়া হৈছে							
8	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজক কেপ্টান 2 গ্ৰাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।							
9	সাৰ আৰু সাৰুৱা দ্ৰব্য/ একৰ	বীজ সিঁচাৰ 30 দিনৰ পিছত 8 টন প্ৰতি একৰ আৰু 25 কেজি N, 35 কেজি P আৰু 30 কেজি K / হেক্টৰত ভিত্তি হিচাপে আৰু 25 কেজি N/হেক্টৰত FYM প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।							
10	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 6-7-6 দিনৰ ব্যৱধানত এবাৰ লঘু আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰক।							
11	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ-গছনি/আন্তঃসংস্কৃতিৰ অনুশীলন প্ৰয়োজন। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক।							
12	ক্ষুদ্র পুর্ষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে								
13	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	ডাউনী মাইল্ডু: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লাক্সপ্তৰিবন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) গুড়ি ভেঁকুৰ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লাক্সিট্ৰ'বিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম)বা ক্ল'ৰ'থেল'নিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰ ফলৰ ব'ৰ: ইমামেক্টিন বেনজ'ৰেট 5% SG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।							
14	চপোৱা আৰু সংৰক্ষণ	65 DASৰ পৰা শস্য সংগ্ৰহ কৰিব পাৰি। শস্য চপোৱাৰ সময়ত উচ্চ তাপমাত্ৰাই গুণগত মান হ্ৰাস কৰিব পাৰে							
15	প্রত্যাশিত উৎপাদন	3.5-5 টন/ একৰ							
18	নকৰিবা								
19	কৰিবা								
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া সৈতে যোগাযোগ কৰক।	হছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ							
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।								





ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଶ	୍ରକ୍ତ ୱାଲ ପର୍ଷ୍ୟରର ଅବସ୍ଥାସୀ ମଧ୍ୟର ମଧ୍ୟର ବର୍ଗାଟ ଏ ବାଜ ଇତ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ । ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣ୍ଡ ଙ୍କରୋଦଗମ ଏବଂ ଉତ୍କତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ ।	୪୫୫ ଗ୍ରାଖ୍ୟ ମାନ୍ତର ମଧ୍ୟ ଖଣ୍ଡାବର କରବାରର କ୍ରୱାଲରେ ବୃହ୍ନ ଅଞ୍ଚଳର । ଏହି ବହ୍ମ କୁଖିବର କରେ । କ୍ରିୟାଲର ମତର ମଞ୍ଜି କୈଟ ଏବଂ ଅଭୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା । ଶ୍ରବରାର ବିହନ ପାଇବା ନିର୍ଦ୍ଧିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିୟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପଦନ ସମୟରେ ନୃତନତମ ପ୍ରସ୍ତୁକିବିଦ୍ୟା ପ୍ରହଣ କରେ । କ୍ରିୟାଲର ମତର ମଞ୍ଜି ଜୈଟ ଏବଂ ଅଭୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା							
		ସ୍ଥଳିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପରି ଜେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଡ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।							
ମଟର ହାଇତ୍ରିଡ	କୃଶ୍								
ଅବଧ୍	65- 90 DAS								
ଖରିଫ	ବିଳମ୍ବିତ ଖରିଫ								
ରବି	হঁ								
ବସନ୍ତ	<u>       </u>	<u> </u>							
ଜଳସେଚନର ଭସ	u.								
		ୟାକରି ଧ୍ୟାଚ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।							
କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	ବାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍							
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ମଟର ହେଉଛି ଏକ ରବି ଫସଲ, ଏବଂ ଏକ ଶୀଚଳ ଜଳବାୟୁ ସେମାନଙ୍କର ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ସର୍ବୋଉମ ଅଟେ ।							
2	ଭୂମି/ ମାଟି	6.0 ରୁ 7.5 ମଧ୍ୟରେ pH ଥିବା ଭଲ ଭାବେ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ଦୋଆଁଶ ମାଟି ମଟର ଚାଷ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ।							
3	ବୁଣିବା ଋତୁ/ରୋପଣ ସମୟ	ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର ହେଉଛି ସବୁଠାରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ମାସ, ରବି ହେଉଛି ପ୍ରାଥମିକ ରଚୁ ଅଟେ।							
4	ବିହନ ହାର / ଏକର	25-35 ବେଜି/ଏକର							
5	ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	ଏକ ମଞ୍ଜି ତ୍ରିଲ୍ ସହିତ ଧାଡ଼ିରେ ଦୁର୍ଶିବା ସୁପାରିଶ କରାଯାଏ							
6	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	10 ଟନ୍ ପତିଯାଇଥିବା ଏଫ. ୱାଇ.ଏମ୍. ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହଳ କରନ୍ତୁ । ଏକ ବୀଳ ତ୍ରିଲ୍ ବ୍ୟବହାର କରି, ଧାଡ଼ି ବୁଣା କରାଯାଏ, ଏବଂ ପ୍ରସ୍ତାବିତ ବୁଣା ଗଭୀରତା ପ୍ରାୟ 5-6 ସେ. ମି.							
7	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାତ୍ୱି ମଧ୍ୟରେ 45 ସେ. ମି. ଏବଂ ଗଛ ମଧ୍ୟରେ 10-12 ସେ. ମି. ବ୍ୟବଧାନ ସହିତ ଧାଡ଼ି ବୁଶିବା । ବ୍ୟାପୀକ  ଉଦ୍ଭିଦ ସ୍ଥାପତ୍ୟ ସହିତ ଉନ୍ନତ କିସମ ପାଇଁ 60 ସେ. ମି. x 30 ସେ. ମି. ସୁପାରିଶ କରାଯାଏ ।							
8	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବିହନକୁ କ୍ୟାପାଟାନ୍ 2 ଗ୍ରାମ/କି.ଗ୍ରା. ସହିତ ବିଶୋଧନ କରାଯାଏ।							
9	ଖତ ଏବଂ ସାର/ଏକର	ପ୍ରତି ଏକରକୁ 8 ଟନ୍ ଗୋବର ଖାଦ ଏବଂ ପ୍ରତି ହେକ୍ଟରକୁ 25 କି.ଗ୍ରା. ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ (N), 35 କି.ଗ୍ରା. ଫସ୍ଫୋରସ୍ (P) ଓ 30 କି.ଗ୍ରା. ପୋଟାସ୍ (K) ଭିତିଭୂମି ସେନେ ଭାବେ ଦିଅନ୍ତୁ । ବୃଣିବା ପରେ 30 ଦିନ ହେଲେ 25 କି.ଗ୍ରା. ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ (N) ପ୍ରତି ହେକ୍ଟରକୁ ଦିଅନ୍ତୁ ।							
10	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରତୁ। ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ 6-7-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ କରାଯାଏ।							
11	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	ଦୁଇ ଥର ହାତରେ ଅନାବନା ଗଛ କାଟିବା/ପରକ୍ସର ଚାଷ କରିବା ଅଭ୍ୟାସ ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ।							
12	ସ୍ୟୁ ପୋଷକ ତର୍/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ								
13	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟଲ୍ପଣ	ତାଭନି ମିଲତ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ୍ 50% + ଶ୍ରୀଇଫ୍ଲୋକ୍ସିୟୋବିନ୍ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ପାଉତର ମିଲତ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଶ୍ରୀଇଫ୍ଲୋକ୍ସିୟୋବିନ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ବିମ୍ବା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋଜିଲ 75% WP 1.0 ମିଲି/ଲିଟର ଫୁରୁଟ୍ ବୋରୋର: ଏମାମେକ୍ସିନ୍ ବେଞୋଏଟ୍ 5% ଏସଜି(SG) (୦.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର)							
i	1	କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କାଟପତଙ୍ଗ ନିୟଭୁଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତ।							





### பட்டாணிகள் - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த பட்டாணி விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள் உயர் தர பட்டாணி விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் பட்டாணி விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா தழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

மிகச் சிறந்த மகதலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு பட்டாணி	கிரிஷ்											
காலம்	65-90 DAS	<u></u>										
காரீப்	பின் காரீப்											
ராபி	ஆம்											
வசந்த காலம்												
பாசன ஆதாரம்	நிலம்											
-142-					0-0			- ·				கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்
வ.எண்.	. விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் /			செயல்மு	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு							
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு விவசாய- காலநிலை மண்டலம்			பட்டாணி	பட்டாணி என்பது ஒரு குளிர்கால (ராபி) பயிர். மேலும், ஒரு குளிர்ந்த காலநிலை இவற்றின் வளர்ச்சிக்கு நல்லது							
2	நிலம்/ மண்	ſ			பட்டாணி	சாகுபடி	க்கு 6.0-7.5	pH உள்ள	ரநீர் தேங்	காத பசஎ	ளை மண்	மிகவும் ஏற்றது.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்				ராபி முத	ன்மையா	ன பருவ	ம் என்பத	ால் அக்பே	_ாபர்-நவ	ம்பர் மிகவ	பும் பொருத்தமான மாதங்கள் ஆகும்.
4	ഖിதെ ഖീ്ട്വ	ம்/ ஏக்கர்			ஏக்கருக்கு	5 25-35 <b>S</b> A	லோ					
5	விதைத்தல்	/நாற்று ந	டும் முரை	<b>m</b> .	விதை டிரில் உடன் வரிசையாக விதைப்பது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது							
6	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு				10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். விதை டிரில் பயன்படுத்தி வரிசையாக விதைப்பதை செய்யலாம் மற்றும் பரிந்துரைக்கப்பட்ட விதைப்பு ஆழம் 5-6 செமீ ஆகும்							
7	இடைவெளி				வரிசைகளுக்கு இடையில் 45 செமீ இடைவெளி மற்றும் தாவரங்களுக்கு இடையில் 10-12 செமீ விட்டு வரிசையாக விதைத்தல். பரந்த தாவர அமைப்பு உடன் மேம்பட்ட வகைக்கு 60 செமீ x 30 செமீ பரிந்துரைக்கப்படுகிறது							
8	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு			கிலோகிராமுக்கு 2 கிராம் வீதம் விதைகளை காப்டான் உடன் கலக்க வேண்டும்								
9	எருக்கள் ம	ற்றும் உர	ங்கள்/ ஏக்	கருக்கு	விதைத்த பின், 30 நாட்களுக்குப் பின், ஏக்கருக்கு 8 டன் FYM மற்றும் 25 கிலோ N, 35 கிலோ P and ஹெக்டேருக்கு 30 கிலோ к அடியுரமாகவும் and 25 kg N போட வேண்டும்.							
10	பாசன அட்ட	_ഖഞ്ഞെ			மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். 6-7-6 நாட்கள் இடைவெளியில் லேசான மற்றும் அடிக்கடி. பாசனம் செய்ய வேண்டும்.							
11	களை அகற்	றுதல்/ ஊ	ஈடு பயிரி(	ந்தல் நகல்	இரண்டு கைகளால் களை நீக்குதல்/ ஊடு பயிரிடுதல் செயல்முறை தேவைப்படுகிறது. நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள்.							
12	நுண் ஊட்ட ஒழுங்குபடு	, 0										
13	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு			அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோயின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோயின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதலோனில் 75% டபிள்யுபி லிட்டருக்கு 1.0 மிலி. பழ துளைப்பான்: எமாமெக்டின் பென்சோயேட் 5% எஸ்ஜி (SG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளுர் விவசாய அலுவலர்களுடன்								
14	<u> அന</u> ്വഖடെ ।	மற்றும் இ	சமிப்பகம்		Ū	ஆலோசியுங்கள். அறுவடை 65 DAS-ல் செய்யப்பட வேண்டும். அறுவடையின் போது உயர் வெப்பநிலை தரத்தைக் குறைக்கலாம்.						

குறிப்பு

15

எதிர்பார்க்கப்படும் மகதல்

செய்யக்கூடாதவை செய்ய வேண்டியவை

மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளுர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.

ஏக்கருக்கு 3.5-5 டன்

முன்னெச்ச ரிக்கை நடவடிக்

பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகதல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளுர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள் விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.





## ਮਟਰ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਮਟਰ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਮਟਰ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਭਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਸਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਟ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਮਟਰ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੇ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

agii derera did	a dou oct taga, aga ha a Ediw, dat wiaw.h. E. d.	ਲਣ ਕਰ। ਹੇਠਾ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿਤ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੋਸਲਾ ਲੈਣ ਤੇ ਪਹਿਲਾ ਉਹਨਾ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ।							
ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਮਟਰ	ਕ੍ਰਿਸ਼								
ਮਿਆਦ	65- 90 DAS								
ਖ਼ਰੀਫ	ਰੀ ਨਾਲ ਹੋਈ ਖ਼ਰੀਫ਼								
ਰਬੀ	ਹਾਂ								
ਸਪ੍ਰਿੰਗ ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਜ਼ਮੀਨ								
IND.CI C. NO2		ਕਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੈਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।							
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ							
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਮਟਰ ਸਰਦੀਆਂ (ਰੱਬੀ) ਦੀ ਫਸਲ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਵਾਧੇ ਲਈ ਠੰਡਾ ਮੌਸਮ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।							
2	ਜ਼ਮੀਨ/ਮਿੱਟੀ	ਮਟਰ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ 6.0 ਅਤੇ 7.5 ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ pH ਵਾਲੀ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਦੇਮਟ ਮਿੱਟੀ ਆਦਰਸ਼ ਹੈ।							
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਅਕਤੂਬਰ-ਨਵੰਬਰ ਸਭ ਤੋਂ ਚੁਕਵੇਂ ਮਹੀਨੇ ਹਨ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਹਾੜੀ ਮੁੱਖ ਮੈਂਸਮ ਹੈ।							
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਏਕੜ	25-35 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ							
5	ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	ਬੀਜ ਡਰਿੱਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਕੇ ਕਤਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬਿਜਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ							
6	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸਤੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੇ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਰਲ ਜਾਵੇ। ਬਿਜਾਈ ਬੀਜ ਡਰਿੱਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਕੇ ਕਤਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਬਿਜਾਈ ਦੀ ਡੂੰਘਾਈ ਲਗਭਗ 5-6 ਸੈਟੀਮੀਟਰ ਹੈ।							
7	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬਿਜਾਈ ਕਰੇ, ਕਤਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ 45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਅਤੇ ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ 10-12 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦਾ ਫਾਸਲਾ ਰੱਖੋ। ਵਿਆਪਕ ਬੂਟਿਆਂ ਦੀ ਬਣਤਰ ਵਾਲੀ ਬਿਹਤਰ ਕਿਸਮ ਲਈ 60 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ x 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ							
8	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜ 'ਤੇ ਕੈਪਟਨ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।							
9	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ/ਏਕੜ	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ 8 ਟਨ/ਏਕੜ ਅਤੇ 25 ਕਿਲੇ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ, 35 ਕਿਲੇ ਫਾਸਫੇਰਸ ਅਤੇ 30 ਕਿਲੇ ਪੈਟਾਸ਼ੀਅਮ ਬੇਸਲ ਖਾਦ ਵਜੋਂ ਅਤੇ 25 ਕਿਲੇ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਪਾਓ।							
10	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 6-7-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।							
11	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਗੇਡੀ ਦੇ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਤਾਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਵਾਹੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ।							
12	ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ								
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੇਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਰੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੇਨਾਜ਼ੇਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਕਲੇਕਸੀਸਟ੍ਰੇਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਰੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੇਨਾਜ਼ੇਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਕਲੇਕਸੀਸਟ੍ਰੇਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੇਰੇਥੈਲੇਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਫਰੂਟ ਬੇਰਰ: ਐਮਾਮੇਕਟਿਨ ਬੈਜੇਏਟ 5% SG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾਤੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।							
14	ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਸਟੋਰੇਜ	ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 65 DAS ਬਾਅਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਵਾਢੀ ਦੌਰਾਨ ਉੱਚ ਤਾਪਮਾਨ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨੂੰ ਘਟਾ ਸਕਦਾ ਹੈ							
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	3.5-5 ਟਨ/ਏਕੜ							
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ								
19	ਕੀ ਕਰੋ								
तेट	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇ:	ਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।							
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼	ਾਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।							